08. दादी जी के महावाक्य

दिल हमेशा रीयल रखो जिसको ट्रूथ कहते हैं। जितना ट्रूथफुल रहेंगे उतना ही लव, रिस्पेक्ट प्राप्त करेंगे।

कहा ही जाता है गॉड इज़ ट्रूथ, ट्रूथ इज़ गॉड। जितना ट्रूथफुल रहेंगे उतना सबके दिलों पर विजय प्राप्त करेंगे। सच्चाई ही एक साधन है सबके दिलों पर विजय प्राप्त करने का।

सच्चाई अपने दिल को बहुत आराम देती है। कहते हैं आज के ज़माने में जो सच्चा रहता है उसको ही सुनना पड़ता है लेकिन मैं इस बात को नहीं मानती हूँ। हम सच्चे हैं तो डरें क्यों? सच्चाई के धर्म को क्यों छोड़ें।

सच्चाई माना धर्म। सच्चे हैं तो धर्म पर हैं। दूसरे के दिलों को जीतना हो तो ट्रूथफुल, पीसफुल, लवफुल बनो। जितना ट्रूथफुल बनेंगे, उतना निर्भय रहेंगे, किसी का डर नहीं रहेगा। नहीं तो मनुष्य एक–दूसरे से डरता रहता है। ज़रूरत नहीं है डरने की।

जितना हो सके सर्व के प्रति हारमनी अर्थात् सद्भावना रखें। हमारी यह सद्भावना है कि विश्व स्वर्ग बने।

जैसे ख़ुशी में डांस करते हैं ऐसे सदा ख़ुशी की डांस करते रहो। डांस एक–दूसरे को ख़ुश करती है। डांस वा एक्टिंग इसीलिए करते हैं ताकि दूसरे भी ख़ुशी में आयें। जीवन भी इतना सुन्दर प्रैक्टिकल डांस हो कि दूसरे भी देख ख़ुशी में उड़ते रहें। तो जहाँ भी रहो ख़ुश रहो। जीवन में ख़ुशी सदैव अमर रहे।

इस ज्ञान–योग का फल ही है एवर हेपी रहना। यह जीवन से कभी ख़त्म न हो। एवर हेपी रहने से एवर पीस में भी रहेंगे। हमें पीसफुल रहना है क्योंकि बाप हमारा सुप्रीम फादर पीसफुल है। कभी चेहरे में अशांति के भाव न आयें और न ही टेंशन, वरी, हरी के लिए कोई स्थान हो।

ओम् शांति।